.. UrdhvAmnAyokta siddha vIraughagurukavacham ..

॥ ऊर्ध्वाम्नायोक्त सिद्ध वीरौघगुरुकवचम् ॥

Document Information

Text title : vIraughagurukavacham

File name : vIraughagurukavacham.itx

Category : kavacha

Location : doc_deities_misc

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Transliterated by : Puneet Joshi puneetrph at yahoo

Proofread by : Puneet Joshi puneetrph at yahoo, NA

Description-comments : The kavacha is mentioend in the Vishvasara tantra

Latest update : September 1, 2014

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : http://sanskritdocuments.org

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

August 3, 2016

sanskritdocuments.org

॥ ऊर्ध्वाम्नायोक्त सिद्ध वीरौघगुरुकवचम् ॥

॥ गुरु ध्यानम् ॥

ध्यायेच्छिरसि शुक्लाब्जे द्विनेत्रं द्विभुजं गुरुम् ।
श्वेताम्बरपरीधानं श्वेतमाल्यानुलेपनम् ॥ २॥

वराभयकरं शान्तं करुणामयविग्रहम् ।
वामेनोत्पलधारिण्या शक्त्यालिङ्गितविग्रहम् ॥
स्मेराननं सुप्रसन्नं साधकाभीष्टसिद्धिदम् ।

॥ कवचस्तोत्रम् ॥

परनाथादिनाथश्च ब्रह्मरन्ध्रे सहस्रके ।
दिव्यचक्रे च मे पातु सर्वविश्वेश्वरेश्वरः ॥ १॥

श्रीनाथः पातु शिरसि सिद्धिदले तु श्रीपतिः ।
वाग्देवी दुर्गनाथश्च दुर्गा दुर्गतिनाशिनी ॥ २॥

षोडशारे सदा पातु कण्ठदेशे स्वरे तथा ।
ईश्वरो भैरवीनाथो कालमीशानभैरवः ॥ ३॥

द्वादशारे च मे पातु वीरभद्रो कालान्तकृत् ।
दशारे नाभिदेशे च रुरुनाथश्च भैरवः ॥ ४॥

परात्परगुरुर्देवो चक्रनाथो सदाऽवतु ।
षड्दले कामनेत्रे च कामदेवो सदाऽवतु ॥ ५॥

मत्स्येन्द्रो मत्स्यनाथश्च रक्षतु चाण्डकोषके ।
गोरक्षश्च वेदपद्मे आधारे पातु मे सदा ॥ ६। var गोरक्षनाथः
चतुरारे भर्तृहरिः गुरुर्मे सर्वचक्रके ।
शीर्षादौ गुदपर्यन्तं पातु नाथो गुरुश्च मे ॥ ७॥

पादादिशीर्षपर्यन्तं विश्वनाथो विभुर्गुरुः ।
इष्टो इष्टपतिर्नाथो विश्वसृक् पातु मे सदा ॥ ८॥

॥ इति ऊर्ध्वाम्नायोक्त सिद्ध वीरौघगुरुकवचम् सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by Puneet Joshi puneetrph at yahoo, NA

.. UrdhvAmnAyokta siddha vIraughagurukavacham ..
was typeset on August 3, 2016

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*